सांध्य दैनिक 4PM

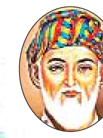

समय आने पर वृक्ष में फल लगता है। झड़ने का समय आने पर वह झड़ जाता है। सदा किसी की अवस्था एक जैसी नहीं रहती, इसलिए दुख के समय पछताना व्यर्थ है।

-रहीम दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 255 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024

भारतीय ए टीम में ईशान किशन की... 7 | उपचुनाव में खैर सीट पर असमंजस... 3 | भाजपा ने बहराइच में जानबूझकर... 2

बीजेपी नेता बबिता फोगाट व बजरंग पूनिया की खुली पोल

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बनने के लिए पहलवानों को उकसाया : साक्षी

» यह कहना गलत है कि कांग्रेस का समर्थन मिला था : साक्षी

» हरियाणा बीजेपी के दो नेताओं ने दिलवाई थी प्रदर्शन की परमिशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरियाणा। हरियाणा के विधानसभा चुनाव तो खत्म हो गए हैं लेकिन वहां कि सियासत अभी भी गर्म है। इस गर्माहट का सबसे बड़ा कारण है भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक का वह बयान जिसके आने के बाद से पूरे देश में इस को लेकर खूब चर्चाएं हो रही हैं। दरअसल भारतीय पहलवान साक्षी मलिक ने रेसलर और बीजेपी की नेता बबीता फोगाट पर बड़ा आरोप लगा दिया। साक्षी मलिक ने कहा है कि कांग्रेस ने नहीं बल्कि बबीता फोगाट ने ही खिलाड़ियों को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन के लिए उकसाया था। साथ ही साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश फोगाट ने गृहमंत्री अमित शाह को फेडरेशन में शोषण के बारे में सब बताया, फिर भी कुछ नहीं हुआ, इसलिए हमें प्रदर्शन करना पड़ा।

दरअसल, एक टीवी चैनल को इंटरव्यू देने के दौरान जब साक्षी मलिक से पूछा गया कि अक्सर आरोप लगते रहे कि कांग्रेस ने पहलवानों को प्रदर्शन के लिए आगे किया। इसपर उन्होंने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि हरियाणा बीजेपी के दो नेताओं ने उन्हें प्रदर्शन की परमिशन दिलवाई थी, जो बबीता फोगाट और तीर्थ राणा हैं। साक्षी मलिक ने बबीता फोगाट पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बबीता ने अप्रोच किया था क्योंकि उसके मन में लालच था कि उन्हें बृजभूषण शरण सिंह वाला पद मिल जाए। साक्षी मलिक ने कहा कि हमें भी लगता था कि अगर बबीता फोगाट को पद मिलेगा तो कुछ अच्छा होगा लेकिन हमें नहीं पता था वो हमारे साथ इतना बड़ा खेल कर जाएगी। साक्षी मलिक ने कहा हमें यकीन था कि बबीता फोगाट भी हमारे साथ प्रदर्शन में शामिल होंगी और एक खिलाड़ी होने के नाते आवाज उठाएगी कि उनके खेलने के दौरान भी वो सारी चीजें हुई हैं, वहीं साक्षी ने इस बात को भी स्पष्ट किया कि इस प्रदर्शन के पीछे कांग्रेस का हाथ नहीं था।

"बबीता ने अप्रोच किया था क्योंकि उसके मन में लालच था कि उन्हें बृजभूषण शरण सिंह वाला पद मिल जाए। हमें भी लगता था कि अगर बबीता फोगाट को पद मिलेगा तो कुछ अच्छा होगा लेकिन हमें नहीं पता था वो हमारे साथ इतना बड़ा खेल कर जाएगी। हमें यकीन था कि बबीता फोगाट भी हमारे साथ प्रदर्शन में शामिल होंगी और एक खिलाड़ी होने के नाते आवाज उठाएगी।"

खुद की लालच के लिए किया जा रहा था प्रदर्शन

साक्षी मलिक ने हाल ही में 'विटनेस' नाम से अपनी एक किताब भी रिलीज की जिसमें साक्षी ने अपनी दोस्त विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को लेकर बड़ा खुलासा किया। साक्षी ने अपनी किताब में कहा है कि विनेश और बजरंग के स्वार्थी फैसलों के कारण पहलवानों के प्रदर्शन से कुछ फायदा नहीं हुआ। साक्षी के मुताबिक प्रदर्शन के दौरान विनेश और बजरंग के आसपास मौजूद लोगों ने उनके कान भरने शुरू कर दिए, इससे उन पर लालच हावी हो गया और दोनों ने एड-हॉक कमेटी के फैसले को मान लिया। इस फैसले में उन्हें ट्रायल गेम से देने की छूट देने की बात कही गई थी, इससे प्रदर्शन को काफी नुकसान हुआ। कई समर्थन करने वाले यह सोचने लगे कि ये प्रदर्शन खुद की लालच के लिए किया जा रहा था।

ओलंपिक तक पहुंच कर विनेश ने खुद को साबित किया

साक्षी मलिक ने कहा कि कई आरोप लगाए कि इन खिलाड़ियों का करियर अब खत्म हो चुका है, इसमें से एक तो विनेश फोगाट ने प्रूव कर दिया वे ओलंपिक तक फिर खेलने गई। अगर करियर खत्म हो गया था तो वो ओलंपिक तक कभी न जा पातीं लेकिन उन्होंने अपने आप को साबित किया। इससे बृजभूषण शरण सिंह की वो बात तो झूठी सिद्ध हो गई कि ये लोग खत्म हो चुके हैं इसलिए प्रदर्शन किया। मलिक ने कहा कि हमने सीधा जाकर प्रदर्शन शुरू नहीं किया था बल्कि विनेश फोगाट ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से पहले मुलाकात कर सारी दिक्कतों से अवगत कराया, इसके बाद जब गृहमंत्री ने हमारी बातों को अनदेखा किया तो हमें आंदोलन करना पड़ा।

साक्षी के आरोप पर विनेश फोगाट ने किया पलटवार

साक्षी मलिक ने अपने आरोप में विनेश को घेरा था जिसको लेकर पत्रकारों ने विनेश फोगाट से सवाल किया तो विनेश ने कहा कि अगर खिलाड़ियों और बहनों के लिए बोलना लालच है, तो मुझे यह लालच स्वीकार है। अगर देश का प्रतिनिधित्व करके ओलंपिक पदक लाना लालच है तो यह अच्छा है। उन्होंने कहा कि मैं गुड कॉज के लिए लड़ाई लड़ रही थी। वह लड़ाई चल रही है। जब तक हम दोषी को सजा नहीं दिला देते, यह चलती रहेगी। दरअसल साक्षी मलिक ने बबिता और बजरंग पुनिया के साथ विनेश को लेकर भी कहा था कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि इस वजह से हमारा ये अभियान स्वार्थी दिखने लगा। बता दें कि पहलवानों के इस विरोध साक्षी तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं।

'भाजपा ने बहराइच में जानबूझकर दंगा कराया'

तेज प्रताप के नामांकन में पहुंचे अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। मैनपुरी की करहल विधानसभा से तेज प्रताप यादव ने नामांकन किया। उनके नामांकन में आए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि तेज प्रताप यादव भारी बहुमत से जीतकर जाएंगे। मैनपुरी के लोगों ने सपा और नेताजी का हमेशा साथ दिया है। करहल की जनता समाजवादी पार्टी को हमेशा चुनती रही है। इस बार चुनाव में पहले से अधिक समर्थन मिलेगा, जिसके चलते चुनाव परिणाम ऐतिहासिक होने वाला है।

अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव में पीडीए से भाजपा घबराई हुई है। अब तो भाजपा पीडीए का नाम लेना भी भूल गई है। उन्होंने कहा कि चैनलों को चिंता थी कि तेज प्रताप ने तिलक कितना बड़ा लगाया है। विकास की कोई चिंता नहीं थी। समाजवादियों के विकास को भाजपा ने रोकने का काम किया है।

लोकसभा चुनाव की लड़ाई जीतने के बाद भाजपा थोड़ी बहुत रुकी है। भाजपा सारी संस्थाओं से खुद को ऊपर समझती है। अब जमीनों पर कब्जा करने का काम भी कर रही है। बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने बहराइच में जानबूझकर दंगा कराया है। वजह भी साफ है कि चुनाव आ गया है। सवालों के जवाब न देने और राजनीतिक लाभ लेने के

भारतीय जनता पार्टी ने ये साजिश रची है। वहां पर्याप्त प्रशासन और पुलिस का इंतजाम नहीं किया गया।

अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जिसको चाहे गिरफ्तार करा दे। पत्रकारों की भी कराई जा रही है। एक सवाल के जवाब में कहा कि करहल की जनता के सामने मशीनरी का कोई दुरुपयोग नहीं हुआ। टिकट बंटवारे को लेकर कहा कि यह आपसी मामला है। हम हल निकाल लेंगे। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में इंटरनल सर्वे में बीजेपी हार रही थी, इसलिए चुनाव रोका गया। उन्होने कहा कि बार-बार मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के बाद भी कोई बदलाव नहीं आया। भाजपा किसी को न्याय नहीं दे सकती है। इस बार जनता पूरा हिसाब-किताब करेगी। ये सरकार जाने वाले लोगों की है। उनके पास समय नहीं है। उपचुनाव में जनता इन लोगों को हराकर विदाई का रास्ता खोल देगी।

सरकार जानबूझकर करवाती है दंगे व फर्जी एनकाउंटर : राय

हमीरपुर। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राज का महोबा जाते कस्बे से गुजरते समय यहां के बड़े चौराहे पर पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए बहराइच में हुई हिंसा को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। कहा कि सरकार पूरी तरीके से फर्जी एनकाउंटर व जानबूझकर दंगे करवाती है। इस दौरान कस्बे के बजरंगबली मंदिर में माथा टेका। इस अवसर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष हिमांशु सैनी व युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विवेक चंद सहित पार्टी नेता डॉक्टर शाहिद, शफाकत उल्ला राजू, शहजादा चिश्ती गांधी, जाकिर खान,सरफराज, ज्ञानेंद्र सिंह, वरुण कुमार,बाबू मंसूरी,मुन्ना बार्डर मोहम्मद यूसुफ आदि रहे।

गुंडों व माफियाओं के सरगना हैं अखिलेश यादव: केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा मुखिया पर हमला बोला। कहाकि गुंडा, अपराधी और जितने भी प्रकार के माफिया हैं, उन सभी के अखिलेश यादव सरगना है। कहा कि अखिलेश यादव को कोई अधिकार नहीं है कि वह दंगे की बात पर कुछ भी कहें। उनके शासनकाल में उप्र में एक भी दिन दंगा मुक्त नहीं रहा है। उपमुख्यमंत्री सोमवार को यहां उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के पति पूर्व विधायक स्व. उपेंद्र तिवारी की पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम में शामिल हुए।

बड़ी फील्ड में समारोह और पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दंगों पर अखिलेश यादव को कुछ भी बोलना शोभा नहीं देता है। बहराइच हो या प्रदेश में कहीं भी कोई अराजकता करेगा, कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करेगा तो सरकार कानून के हिसाब से कार्रवाई के लिए तत्पर है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त है। अपराधियों, माफिया, दंगाइयों आदि के खिलाफ कार्रवाई होती है तो अखिलेश यादव विचलित हो जाते हैं, जिस दिन गुंडे, अपराधी, माफिया, दंगाई सपा का साथ छोड़ देंगे उस दिन सपा समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी।

सदस्यता अभियान पर सपा मुखिया के बयान पर कहा कि भाजपा के बारे में जब कुछ बोलते हैं तब लगता है कि अखिलेश यादव को अपना इतिहास और अपना शासनकाल याद नहीं आता है। रामगोपाल यादव के बयान पर कहा कि भाजपा की एकतरफा जीत से विरोधी दल चित हो गए हैं। कानून-व्यवस्था के सवाल पर कहा कि प्रियंका गांधी वायनाड से चुनाव लड़े। रायबरेली और प्रदेश हम भाजपा (संभाल) लेगी।

देश की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया: प्रदीप खंडेलवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों से कांग्रेस अब तक असंतुष्ट है। कांग्रेस नेता लगातार आरोप लगा रहे हैं कि ईवीएम में गड़बड़ी की गई इसलिए बीजेपी जीती है, वरना कांग्रेस की ही जीत होती। इसको लेकर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुनाव आयोग से शिकायत की है। वहीं, ईवीएम में घोटाले के आरोपों को निराधार बताते हुए बीजेपी लगातार कांग्रेस पर हमलावर है।

बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, हम बार-बार यह बात कह रहे हैं, कांग्रेस इस बात को समझ ही नहीं रही है कि देश की जनता ने उन्हें पूरी तरह से नकार दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। समय रहते भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भी समझ जाना चाहिए कि हरियाणा में उनकी पार्टी की हार हो चुकी है और इस नाते से अब वह अपनी झेप मिटाने के लिए कहीं भी जाएं, अंतर पड़ने वाला नहीं है।

चुनाव आयोग के काम पर क्या बोले बीजेपी सांसद?

प्रदीप खंडेलवाल ने आगे कहा, चुनाव आयोग ने बहुत निष्पक्ष तरीके से काम किया है। फिर भी, अगर उन्होंने कोई शिकायत की है तो चुनाव आयोग उसके दायरे में काम करेगा। हालांकि, कुल मिलाकर यह खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली बात है।

हरियाणा चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी का शक

हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस ने ईवीएम में खराबी और घोटाले के आरोप लगाए थे। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि ईवीएम में एक बार फिर से गड़बड़ी हुई है, बैलेट पेपर काउंटिंग में कांग्रेस आगे थी, लेकिन बाद में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की काउंटिंग में बीजेपी ने जीत दर्ज कर ली। इस पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा था, हमने चुनाव आयोग में शिकायत की है, उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो कोर्ट भी जाएंगे। ऐसा न हो कि मानव के आगे मशीन भारी पड़ जाएं।

राज्य में समय से पहले हो रहा चुनाव: कल्पना

कल्पना सोरेन ने कहा- चुनावी एजेंसियों पर अपना प्रभाव मजबूत कर रही है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गिरिडीह। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य में विधानसभा चुनाव समय से पहले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने गिरिडीह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा चुनावी एजेंसियों पर अपना प्रभाव मजबूत कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव समय से पहले कराया जा रहा है। जबकि महाराष्ट्र में चुनाव समय पर हो रहे हैं। झारखंड को इसमें अप्रत्याशित रूप में शामिल किया गया। दिलचस्प बात यह है कि जो चुनाव पारंपरिक रूप से पांच चरणों में होते थे, अब भाजपा की साजिश के कारण केवल दो चरणों में हो रहे हैं।

कल्पना ने ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान के घंटों को शहरी क्षेत्रों की तुलना में एक घंटा कम करने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से ग्रामीण मतदाताओं खासकर गरीबों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं को मुश्किलें होंगी, जो आमतौर पर हेमंत सोरेन का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का एक घंटा कम कर दिया गया है। कई ग्रामीण मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यह गरीबों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश है, जो हेमंत सोरेन के साथ खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में डालने की कोशिश की। हालांकि वे सोरेन को जेल में डालने में सफल नहीं हुए। उन्होंने हमारे राज्य के आत्म-सम्मान पर हमला किया है। झारखंड की जनता विधानसभा चुनावों में उन्हें जवाब देने के लिए तैयार है।

झारखंड में मतदान 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होने हैं। मतगणना 23 नवंबर को होगी। इस बीच, चुनाव आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान के घंटों को कम करने के झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के दावों को खारिज किया और उन्हें बेबुनियाद और तथ्यहीन करार दिया। आयोग के मुताबिक, राज्य में कुल 29,562 मतदान केंद्र हैं। जिनमें 24,520 ग्रामीण क्षेत्र और 5,042 शहरी क्षेत्र में हैं।

विरोध की आड़ में जूनियर डॉक्टरों को अनशन पर बिठा रहे हैं वामपंथी: टीएमसी

» कुणाल घोष ने कहा- मरीज चाहें तो डॉक्टरों पर कर दें केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में जूनियर डॉक्टर अनशन पर बैठे हैं। वे मृतक को न्याय दिलाने और राज्य स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से स्वास्थ्य सचिव को पद से हटाने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से अनशन खत्म कर काम पर लौटने की भी अपील की। इसके ठीक एक दिन बाद ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता कुणाल घोष ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ममता बनर्जी की सराहना करते हुए वामपंथ पार्टियों को निशाने पर लिया। टीएमसी नेता ने कहा कि कहा कि विरोध की आड़ में वामपंथ जूनियर डॉक्टरों को अनशन पर बिठा रहे हैं। उन्होंने भड़कते हुए कहा कि मरीज चाहें तो डॉक्टरों पर केस कर दें।

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बातचीत के लिए अक्सर प्रदर्शनकारियों से मिलने जाती है या उन्हें अपने आवास पर बुलाती हैं। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए वह हर संभव कोशिश कर रही हैं। वामपंथ दल विरोध की आड़ में छात्रों को अनशन पर बिठा रहे हैं।

उपचुनाव में खैर सीट पर असमंजस प्रदेश नेतृत्व की हरी झंडी का इंतजार

» आठ सीटों पर खुद चुनाव लड़ रही सपा
» खैर सीट कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण होगी
» दोनों दलों के कार्यकर्ता भी असमंजस में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। देश के सबसे बड़े सियासी सूबे उत्तर प्रदेश में राजनीति एक बार फिर से रंग में नजर आ रही है। यहां विधानसभा की 10 सीटें खाली हुई हैं, जिन पर उपचुनाव का ऐलान हो चुका है। सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाकर लड़ रही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर फिर से तनातनी की स्थिति बनती दिख रही है।

दरअसल समाजवादी पार्टी ने 7 सीटों पर प्रत्याशी फाइनल कर लिए हैं। इसमें मिल्कीपुर सीट को लेकर कोर्ट में पेंडिंग पुराने मामले की वजह से अभी उपचुनाव का ऐलान नहीं हुआ है। अभी गाजियाबाद और खैर सीट पर कैंडिडेट का ऐलान नहीं किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि सहयोगी कांग्रेस के लिए ये सीटें खाली छोड़ी गई हैं। इसके अलावा कुंदरकी सीट पर भी प्रत्याशी का ऐलान नहीं हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि इंडी गठबंधन के दो प्रमुख घटक दलों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। उपचुनाव में सपा ने कांग्रेस को खैर समेत दो ही सीटें दीं हैं। इसमें भी अभी प्रदेश नेतृत्व की हरी झंडी मिलनी बाकी है। ऐसे में सपा की सियासी चाल से खैर सीट पर असमंजस की स्थिति बन गई है। उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में कांग्रेस को दो सीटें देकर किनारा कर दिया है। आठ सीटें पर खुद चुनाव लड़ रही है। यदि सीटों को लेकर सपा और कांग्रेस में मनमुटाव बना रहा तो निश्चित रूप से खैर सीट कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण होगी? क्योंकि सपा के कार्यकर्ता खैर में कांग्रेस प्रत्याशी के लिए दमदारी से नहीं जुटेंगे। फिलहाल दोनों दलों के कार्यकर्ता अभी असमंजस में हैं।

लोकसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन से अखिलेश यादव के तेवर कुछ बदले हुए है। इसलिए प्रदेश में 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में सपा ने अपने प्रत्याशी पहले ही उतारने शुरू कर दिए थे। कांग्रेस ने खैर समेत प्रदेश में पांच सीटों की मांग की थी। मगर, सपा सात सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। सपा की मनमानी से कांग्रेस के नेताओं में हलचल पैदा हो गई है। इसका असर खैर विधानसभा सीट पर देखने को मिल सकता है। हालांकि, खैर सीट कभी भी सपा के खाते में नहीं रही है।

खैर सीट पर० कांग्रेस का दबदबा रहा है। वर्ष 1967, 1974 और 1980 में खैर से कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। 2017 और 2022 में भाजपा के अनूप प्रधान ने जीत दर्ज की। लंबे समय से कांग्रेस खैर सीट पर जीत दर्ज नहीं कर सकी है। इसलिए खैर सीट पर कांग्रेस वर्षों से अपनी खो चुकी जमीन वापस लेने की कोशिश करने में जुटी है।

आपसी रार में फंसी है सीट

भले ही खैर सीट कांग्रेस की झोली में आ गई हो, मगर जिस तरह से कांग्रेस और सपा में आपसी रार मची हुई है उससे दोनों दलों के कार्यकर्ता ऊहापोह में हैं। कांग्रेस की प्रदेश इकाई में चर्चा है कि सपा ने यदि पांच सीटें नहीं दी तो कांग्रेस प्रदेश की सभी 10 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है। यदि ऐसा होता है तो फिर सपा भी खैर और गाजियाबाद की सीट पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है। इसका प्रभाव फिर खैर सीट पर भी पड़ेगा? इस संबंध में सपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर ने कहा कि टिकट के लिए पार्टी नेताओं ने आवेदन किए हैं। पार्टी जिनको टिकट देगी, उसे मजबूती के साथ लड़ाया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सोमवीर सिंह ने कहा कि टिकट के लिए तीन लोगों का पैनल शीर्ष नेतृत्व को भेज दिया गया है।

चुनाव प्रचार को लेकर भी दुविधा

खैर सीट को लेकर कांग्रेस और सपा में चुनाव प्रचार को लेकर भी दुविधा है। यदि कांग्रेस दो सीटों पर ही संतोष कर लेती है तो क्या राहुल गांधी खैर सीट पर अपने प्रत्याशी के प्रचार में आएंगे या फिर गठबंधन धर्म को देखते ही राहुल गांधी और अखिलेश यादव दोनों एक साथ खैर विधानसभा क्षेत्र में एक मंच पर दिखेंगे। बहरहाल, अभी सिर्फ कयास ही लगाए जा रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस और सपा के बीच पक रही खिचड़ी के चलते कम से कम दोनों दलों के कार्यकर्ता असमंजस में जरूर हैं।

नहीं सुलझी महायुति में सीट बंटवारे की अड़चन

अठावले ने की फडणवीस से मुलाकात, पूछा रिपब्लिकन को कितनी सीटें?

» महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीट आवंटन पर की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने शनिवार को राज्य में बीजेपी के प्रमुख नेता उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। अठावले ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीट आवंटन पर चर्चा की।

अठावले ने फडणवीस से आग्रह किया कि पूरे राज्य में रिपब्लिकन पार्टी के लिए पांच से छह सीटें छोड़ी जानी चाहिए। रिपब्लिकन पार्टी ने दावा किया है कि फडणवीस ने आश्वासन दिया है कि इस समय हुई चर्चा में रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक निश्चित सीट छोड़ना जरूरी है और इस संबंध में महायुति की बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

अठावले की डिमांड क्या?

एनडीए सरकार के सत्ता में लौटने के बाद रिपब्लिकन पार्टी ने एक कैबिनेट मंत्री पद, एक विधान परिषद सदस्यता, तीन निगम अध्यक्ष, तीन उपाध्यक्ष और सभी निगमों की सदस्यता जैसी अलग-अलग मांगों के साथ-साथ फडणवीस को एक बयान सौंपा है। जिला परिषद पंचायत समिति और नगर निगम चुनावों में पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी? इसकी जानकारी अठावले ने दी। घोषणापत्र के लिए क्या सुझाव?सभी पिछड़े वर्ग के निगमों के लोन माफ किए जाएं। गैरन भूमि पर अतिक्रमण को नियमित करने के लिए 14 अप्रैल 1990 की समय सीमा को बढ़ाया जाए और 14 अप्रैल 2014 तक पात्रता तय की जाए। साथ ही मलिन बस्ती पुनर्वास योजना के माध्यम से 450 वर्ग के झुग्गीवासियों को मकान दिए जाएं। जैसी मांगे भी अठावले ने घोषणापत्र में शामिल करने का सुझाव दिया। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महासचिव अविनाश महातेकर, प्रदेश महासचिव गौतम सोनवणे, हेमंत रणपिसे आदि उपस्थित थे।

कौन सी सीटें मांगी?

रिपब्लिकन पार्टी ने महाराष्ट्र के बीड जिले के केज से पप्पू कागड़े, यवतमाल के उमरखेड़ से महेंद्र मानकर, इसके बाद धारावी, चेंबूर, श्रीरामपुर, पिंपरी, उत्तरी नागपुर, डेगलूर पर दावा किया है और उम्मीद है कि इनमें से कम से कम पांच सीटें उनके खाते में जाएंगी। रविवार को सकारात्मक चर्चा के बाद रिपब्लिकन पार्टी ने यह बातें कहीं।

एमवीए में सीट बंटवारे पर नहीं बन पा रही सहमति

» आम सहमति बनने के बाद लग सकती है सीट-बंटवारे पर मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर महा विकास अघाड़ी (MVA) में सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। कांग्रेस, शिवसेना उद्धव और एनसीपी शरद के बीच कुछ सीटों को लेकर पेंच फंसा हुआ है। इसे लेकर रविवार को कांग्रेस और शिवसेना उद्धव के नेताओं ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। मुंबई के वाईबी चव्हाण केंद्र में कांग्रेस नेता नसीम खान, शिवसेना (उद्धव) के नेता आदित्य ठाकरे, संजय राउत, अनिल परब और एनसीपी (शरद) के अनिल देशमुख ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से सीट बंटवारे को लेकर बात की। नेताओं ने कहा कि एमवीए सहयोगियों के बीच 10 से 12 सीटों को लेकर बातचीत चल रही है। ताकि यह तय किया जा सके कि कौन सी पार्टी बेहतर उम्मीदवार दे सकती है। कांग्रेस नेता नसीम खान ने बताया कि 10 फीसदी सीटों पर आम सहमति बनाने के लिए चर्चा चल रही है। शरद पवार एमवीए के संस्थापकों में से एक हैं। इसलिए हमने उनसे मुलाकात की और बातचीत की। एमवीए सूत्रों ने कहा कि आम सहमति बनने के बाद एक या दो दिन में सीट-बंटवारे पर मुहर लगने की संभावना है। इस बीच पूर्व एमएलसी और जेडीयू नेता कपिल पाटिल दिल्ली में कांग्रेस में शामिल हो गए। वहीं भाजपा की 99 उम्मीदवारों की सूची को लेकर एनसीपी शरद के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने दावा किया कि भगवा पार्टी ने वंशवादियों को मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को लगता है कि भाजपा वंशवादी राजनीति में विश्वास नहीं करती है, वे सूची पढ़ने के बाद शर्मिंदा होंगे। उन्हें यह समझना चाहिए कि भाजपा वास्तव में वंशवादी राजनीति में विश्वास करती है। भाजपा ने कुछ क्षेत्रों में प्रभावशाली नेताओं के रिश्तेदारों को मैदान में उतारा है। जिनमें पूर्व सीएम और कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक चव्हाण की बेटी जया चव्हाण, कांकावली सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री और कोंकण के कद्दावर नेता नारायण राणे के बेटे नितेश राणे और जालना के भोकरदन निर्वाचन क्षेत्र से मौजूदा विधायक संतोष दानवे को भी फिर से उम्मीदवार बनाया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पौधे रोपने मात्र से ही धरा हरी-भरी नहीं हो सकती

“ माना कि विकास जरूरी है और उसके लिए कुछ तो कीमत चुकानी ही होगी। विकास के लिए बताएंगे सैकड़ों, लेकिन हजारों पेड़ काटे जाएंगे। पेड़ कलम करने के लिए बाजार में बढ़िया, तेज, सस्ती और बिना आवाज आरियां मिलती हैं। ऐसे में पता नहीं चलता कब गिर गया मोटे तने वाला, खूब ऑक्सीजन देने वाला पेड़ और साथ ही गिर पड़ता है कुव्यवस्था के चरणों में सख्त कानून। पेड़ काटेंगे तो सख्त जांच होगी।

धरती पर जब पेड़-पौधे नहीं होंगे तो जीवन भी खतरे में पड़ जाएगा। प्राकृतिक आपदाएं बढ़ने का एक कारण पेड़ों का अंधाधुंध कटान है। सरकारी स्तर पर धरा के श्रृंगार के लिए हर साल वन महोत्सव मनाया जाता है व लाखों पौधे रोपे जाते हैं लेकिन इनमें से कितने बच पाते हैं, यह मंथन का विषय है। ऐसे में पौधे रोपने मात्र से ही धरा हरी-भरी नहीं हो सकती है। जब तक पौधा पेड़ नहीं बन जाता, तब तक उसका संरक्षण किया जाना बहुत जरूरी है। हिमाचल में राजमार्गों के किनारे असंख्य पौधे लगाए गए थे, जो पेड़ बन चुके थे। माना कि विकास जरूरी है और उसके लिए कुछ तो कीमत चुकानी ही होगी। विकास के लिए बताएंगे सैकड़ों, लेकिन हजारों पेड़ काटे जाएंगे। पेड़ कलम करने के लिए बाजार में बढ़िया, तेज, सस्ती और बिना आवाज आरियां मिलती हैं। ऐसे में पता नहीं चलता कब गिर गया मोटे तने वाला, खूब ऑक्सीजन देने वाला पेड़ और साथ ही गिर पड़ता है कुव्यवस्था के चरणों में सख्त कानून। पेड़ काटेंगे तो सख्त जांच होगी।

बताया जा रहा है कि प्रारंभिक जांच में पेड़ गिराने की पुष्टि हुई यानी जांच ठीक, पारम्परिक और लोकतांत्रिक तरीके से नहीं हुई। जांच करने वालों को ठीक तरीके से हैंडल नहीं किया गया। मुख्यालय व्यापक स्तर पर जांच बिठाने की तैयारी कर सकता है। जांच गहन होनी है तभी समय भी डरा बैठा है, पता नहीं जांच में क्या निकल आए? कुछ ठोस निकला तो कार्रवाई करना मुश्किल हो जाएगा। कुछ नहीं निकला तो जांच जारी रखनी पड़ेगी। ऐसे में माना जा रहा है जांच सही दिशा में जा रही है। बड़ी कुर्सी ने कम बड़ी कुर्सी से रिपोर्ट मांगी। विभाग ने अन्य क्षेत्रों में भी जांच शुरू कर दी। पेड़ काटने की पुष्टि की मरम्मत करने का राजनीतिक सुझाव आया है, ताकि आरोपों की परवाह न करते हुए जांच में स्पष्ट किया जाए कि एक भी वृक्ष किसी भी आरी या औजार से काटा नहीं गया। सभी वृक्ष प्राकृतिक आपदा यानी तेज बारिश आने के कारण, खुद उखड़ कर, पानी में गिर कर बह गए लेकिन पकड़े नहीं जा सके। उन्होंने आरोप दोहराए कि कम्पनियां पेड़ काट रही हैं। यह सब देखते हुए कई वीडियो भी वायरल हुए लेकिन कम्पनियां ज्यादा शातिर होती हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ आम लोग मौके का फायदा उठाकर पेड़ काट रहे हैं ताकि कम्पनियों को लीज पर जमीन दे सकें। बात सही लगती है, दाम अच्छे मिल जाएं, वृक्षों ने उन्हें क्या पेड़े देने हैं? ऐसे में यह बात प्रशंसा मांगती है कि राजस्व विभाग को भी जांच में शामिल किया जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके।

एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाया गया। केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखत: राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है।अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ

काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं। यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। एक समय था जब न्यूनतम खरीद आरंभ होते ही मण्डी में भी भावों में तेजी आने लगती थी। पर अब ऐसा नहीं हो रहा है इसके कारण क्या है, इस पर विचार करना। दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सेंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिएं अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दे और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आरंभ हो जाएं तो निश्चित रुप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सेंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना होगा। क्यों खरीद बंद होने के कुछ समय बाद ही जिंसों के भाव बढ़ने लगते हैं।

हाल ही में गेहूं के भावों में बढ़ोतरी और हर साल एक समय विशेष पर आलू, प्याज, टमाटर के भाव का बढ़ जाना कहीं ना कहीं यह बताता है कि कमोबेस बाजार ताकतें अधिक शक्तिशाली है और वे ही डोमिनेट करती है। इसलिए एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की। ऐसा होने पर ही सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा।

पहले अमेरिका अपने गिरेबां में झांके

ज्योति मल्होत्रा

संविधान एवं न्याय को ताक पर रखकर अमेरिका द्वारा की गई मुठभेड़ों की सूची बहुत लंबी है। साल 1990 में कुवैत। 2001 में अफगानिस्तान। 2003 में इराक। 2014 में सीरिया। 2015 में लीबिया में सीमित हमले। अमेरिकी कांग्रेशनल रिसर्च सर्विस के अनुसार, 1991 से लेकर -जब पूर्व सोवियत संघ के विघटन के साथ शीत युद्ध समाप्त हुआ - 2022 के बीच अमेरिका ने 251 बार सैन्य दखलअंदाजी की है। जब अमेरिकियों ने इराक पर बमबारी की थी तो मेसोपोटामिया में प्राचीन सभ्यता के खंडहरों को काफी क्षति पहुंची थी - लेकिन किसी ने एक शब्द तक नहीं कहा।

जब अमेरिकी सैनिकों ने सद्दाम हुसैन को मार डाला, जोकि एक असाधारण तानाशाह था, परंतु जिसके पास से, इल्जामों के विपरीत, निश्चित रूप से सामूहिक विनाश का कोई हथियार नहीं ढूंढ़ पाए- तब भी पश्चिमी दुनिया चुपचाप देखती रही। और जब तक अमेरिकी अंतत: 21 साल बाद अफगानिस्तान से निकले, तब तक वे जनजातीय ताना-बाना नष्ट करने के अलावा स्थानीय राजनीतिक नेताओं को गांठने में सफल हो चुके थे, जिसके चलते तालिबान को पुन: संगठित होने और देश पर फिर से कब्जा करने का मौका मिल गया। कुछ लोग कहेंगे - विशेषकर, आज के ढाका में रहने वाले बांग्लादेशी - कि भारत ने भी तो 1971 में भी यही सब किया था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान को तोड़ना और एक नया देश बनाने में मदद करना था। ओह हां, अमेरिकियों ने इसे भी समझने में गलती की थी - अमेरिकी राजनयिक गैरी बास की पुस्तक, 'द ब्लड टेलीग्राम' पढ़ें, जिसमें आप पाएंगे कि कैसे रिचर्ड निक्सन और हेनरी किसिंजर पूर्वी बंगालियों का बारम्बार नरसंहार किए जाने के बावजूद पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की आलोचना करने से इंकार करते रहे (बांग्लादेश के निर्माण में पूर्वी बंगाल के राजनेताओं की मदद करने वाली इंदिरा गांधी के बारे में वे क्या कहते रहे, इसकी एक अलग कहानी है)।

इसलिए, गत सप्ताह अगर किसी को हैरानी हुई हो कि अमेरिका ने किस भौंडे ढंग से भारतीय खुफिया अधिकारी विकास यादव पर अभियोग लगाया है - जिसने खुद उतने ही भौंडे तरीके से एक अमेरिकी नागरिक और खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या करने की कोशिश की, और इस काम को अंजाम देने के लिए सह-षड्यंत्रकारी के माध्यम से एक अमेरिकी पेशेवर हत्यारे को सुपारी देने की कोशिश की, जो बाद में एक अमेरिकी खुफिया मुखबिर निकला - तो, आपको आश्चर्यचकित होने की आवश्यकता नहीं है, भले ही यह कहानी एकदम हिंदी फिल्म की पटकथा सरीखी लगे। बीते वीरवार को न्यायालय में सीलबंद लिफाफे से आरोप पत्र को निकालते हुए न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी डेमियन विलियम्स ने जो कहा, वह सुनें 'यह मामला उन सब के लिए चेतावनी बने, जो अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाना और चुप कराना चाहते हैं, हम आपको जवाबदेह ठहराएंगे, कोई फर्क नहीं पड़ता चाहे आप कोई भी हों और जहां कहीं भी हों'। जब आपके अपने हाथों पर इतना खून लगा हो, जैसा कि अमेरिकियों के हाथों पर है, तो आप सोचेंगे कि कम से कम उसे तो मुंह बंद रखना चाहिए था।

हालांकि, साफ है, अमेरिकी प्रतिष्ठान में विरोधाभास या खिसियानापन या शर्म के लिए कोई जगह नहीं है - कम से कम, तब नहीं जब डोनाल्ड ट्रम्प और कमला हैरिस के बीच 'करो या मरो' वाला राष्ट्रपति चुनाव संग्राम जारी है। जैसा कि कहा जाता है और यह सत्य है कि डेमोक्रेट पार्टी की सरकार रिपब्लिकनों की तुलना में पारंपरिक रूप से भारत के प्रति अधिक सख्त रही है - शायद, रिपब्लिकन मानवाधिकारों को लेकर उतने चिंतित नहीं हैं, और उनका ध्यान अपने और शेष अमेरिका के लिए अधिक पैसा कमाने की ओर है, यह बात चीनियों को भी माफिक बैठती है। सनद रहे, 23 जून 1985 को आयरलैंड के तट पर एयर इंडिया की 'कनिष्क' उड़ान में विस्फोट हो गया था, जिसमें सवार सभी 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे? खैर, कनाडा की पुलिस जांच एजेंसी, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने 2000 में जब इस आतंकी कृत्य के लिए दो 'खालिस्तान' समर्थकों को गिरफ्तार किया तो इसमें पूरे 15 साल लगे थे। वही रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने बीते सप्ताह ओटावा में की प्रेस वार्ता में लॉरेंस बिश्नोई के आपराधिक सिंडिकेट का नाम लेकर कहा कि उसने भारतीय अधिकारियों की मिलीभगत से बीते साल हरदीप सिंह निज्जर और एक अन्य कनाडाई नागरिक सुखदूल सिंह की हत्या की है।

कनाडा में भारत के राजदूत संजय वर्मा को 'संदेहास्पद सहयोगी' नामित किया गया और उन्हें तुरंत कनाडा छोड़ने के लिए कहा गया। निश्चित रूप से, पिछले सप्ताह ऐसा लगा कि अमेरिका और कनाडा लीक से हटकर भारत में लोगों को दोस्त बनाने और प्रभावित करने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि दो गलतियां मिलकर एक सही नहीं बनातीं और एक-दूसरे के प्रति प्रतिशोध वाला व्यवहार पूरी दुनिया को कुछ और अंधकारमय बनाता है। विकास यादव की कलाबाजियां निश्चित रूप से माफी योग्य नहीं। इसलिए, भारत ने बात को और बिगड़ने से रोकने की कोशिश की और यादव को सरकारी सेवा से 'हटा' दिया। लेकिन अगर यह प्रक्रिया आगे बढ़ती है, तो बतौर अगले उपाय इंटरपोल से रेड-कॉर्नर नोटिस जारी करवाना, और शायद, उसका प्रत्यर्पण करवाना शामिल होगा। इससे द्विपक्षीय संबंध कठिन दौर से गुजरेंगे।

ब्रोकली

क्या आप जानते हैं कि ब्रोकली कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ से भरपूर होती है? विशेषतौर पर इसे खास बनाती है इसमें मौजूद कैंसर रोधी गुण। ब्रोकली में सल्फोराफेन होता है, जो क्रूसिफेरस सब्जियों में पाया जाने वाला एक यौगिक है, इसे शक्तिशाली कैंसर विरोधी गुण वाला माना जाता है। एक टेस्ट-ट्यूब अध्ययन से पता चला कि सल्फोराफेन वाली चीजें स्तन कैंसर कोशिकाओं के आकार और संख्या को 75 प्रतिशत तक कम सकती हैं।

ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल को शोधकर्ताओं ने हृदय स्वास्थ्य के लिए सबसे लाभकारी खाद्य तेल माना है, पर क्या आप जानते हैं कि इससे कैंसर के जोखिमों को भी कम किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि ऑलिव ऑयल कोलोरेक्टल कैंसर के जोखिमों से बचाने में भी आपके लिए लाभकारी प्रभाव वाली हो सकती है। अध्ययनों की समीक्षा से पता चला है कि जो लोग जैतून के तेल का सेवन करते हैं, उनमें स्तन कैंसर और पाचन तंत्र के कैंसर का खतरा कम होता है।

गाजर

शोधकर्ताओं ने पाया कि गाजर भी हमारी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती है, अध्ययनों से पता चला है कि गाजर खाने से कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। पांच अध्ययनों के विश्लेषण में पाया गया है कि गाजर खाने से पेट के कैंसर का खतरा 26 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इसके अलावा गाजर का सेवन करने वाले लोगों में प्रोस्टेट कैंसर विकसित होने की आशंका भी 18 फीसदी तक कम हो जाती है। गाजर विटामिन ए और बीटा-कैरोटिन का बहुत अच्छा स्त्रोत (सोर्स) है। इन पोषक तत्वों (न्यूट्रिएंट्स) के साथ, यह विटामिन ष्ट, ल्यूटिन, ज़ेक्सैंथिन, विटामिन च्च, डाइटरी फाइबर, आदि का अच्छा स्त्रोत है। जो लोग त्वचा से संबंधित उत्पादों की मदद से अपनी खानपान में सुधार करना चाहते हैं, उनके लिए गाजर एक बढ़िया स्नैक है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, कि गाजर मुंहासे, डर्मेटाइटिस, मुंहासे, रैश और अन्य त्वचा से संबंधित बीमारियों का इलाज कर सकते हैं।

कैंसर का ये चीजें खाने से खतरा होगा कम

कैंसर, वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख जोखिम कारकों में से एक है। साल-दर साल इस रोग का खतरा बढ़ता जा रहा है। कैंसर जानलेवा बीमारी है, दुर्भाग्यवश ज्यादातर मामलों में इसका पता ही तब चल पाता है जब रोग काफी गंभीर रूप ले चुकी होती है। पुरुषों में प्रोस्टेट और महिलाओं में ओवेरियन-ब्रेस्ट कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जा रहा है। ये हर साल लाखों लोगों में मौत का कारण बन रही है। सभी लोगों को कैंसर से बचाव के लगातार उपाय करते रहने चाहिए। जिन लोगों में इसके पहले से ही जोखिम कारक हैं, उन्हें विशेष सावधान रहने की आवश्यकता होती है। कुछ फलों-सब्जियों में भी एंटी-कैंसर प्रभाव हो सकते हैं, जिनका नियमित रूप से सेवन करना आपको इस गंभीर और जानलेवा बीमारी से बचाने में लाभकारी हो सकता है।

दालचीनी

दालचीनी को अध्ययनों में कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ वाला पाया गया है। रक्त शर्करा और शरीर में इंप्लामेशन को कम करने में इसके सेवन से विशेष लाभ मिल सकता है। टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों में पाया गया है कि दालचीनी कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को रोकने में भी मदद कर सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दालचीनी का अर्क कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोक सकती है।

हंसना मना है

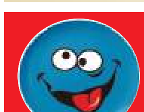

फोन आया- मैडम, आपका अकाउंट हैक हो गया है, मैडम- फेसबुक अकाउंट? बैंक वाला- नहीं मैडम, बैंक अकाउंट! मैडम: थैंक गॉड! आपने तो मुझे डरा ही दिया था?

काका-कमर में बहुत दर्द है, जरा गुप्ता जी के घर से आयोडेक्स ले आओ। काकी-वो नहीं देंगे वो बहुत कंजूस है। काका- हां, है तो खानदानी कंजूस साले, पता नहीं इतना पैसा लेकर कहा जाएंगे..मर जाएंगे यू ही, ऐसा करो तुम अलमारी से अपनी ही निकाल लो, दर्द कुछ ज्यादा ही है?

दो शेर जंगल में बैठे थे, पास से एक खरगोश गुजरा, आहट सुनकर एक शेर ने दूसरे से पूछा- क्या है? कुछ नहीं, फास्ट फूड है!

रमेश पैराशूट बेच रहा था.. हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और जमीन पर सुरक्षित पहुंच जाओ.. ग्राहक-अगर पैराशूट नहीं खुला तो..रमेश: तो पैसे वापिस..?

लड़का- पता है, बस में बैठते हुए मैं किसी लड़की को खड़ा नहीं देख सकता.. लड़की- तो फिर तुम क्या करते हो..? लड़का- मैं अपनी आंखें बंद कर लेता हूं..!

कहानी | प्रत्येक वस्तु पर हमारा ही अधिकार हो?

एक राजा ने घोषणा करवाई कि कल सुबह जब महल का मुख्य दरवाजा खोला जायेगा तब जिस व्यक्ति ने भी महल में जिस वस्तु या जीव को हाथ लगा देगा वह वस्तु या जीव उसकी हो जाएगी। यह सुनकर सब आपस में बातचीत करने लगे कि मैं तो सबसे क़ीमती वस्तु या जीव को हाथ लगाऊंगा। कुछ लोग कहने लगे मैं तो सोने को हाथ लगाऊंगा, कुछ लोग चांदी को तो कुछ लोग कीमती जेवरात को, कुछ लोग घोड़ों को तो कुछ लोग हाथी को, कुछ लोग दुधारू गाय को हाथ लगाने की बात कर रहे थे। सुबह दरवाजा खुला तो सब अपनी अपनी मनपसंद वस्तु या जीवों के लिये दौड़ने लगे। सबको इस बात की जल्दी थी कि पहले मैं अपनी मनपसंद वस्तु या जीव को हाथ लगा दूं ताकि वह वस्तु या जीव हमेशा के लिए मेरी हो जाऐ। राजा अपनी जगह पर बैठा सबको देख रहा था और अपने आस-पास हो रही भाग दौड़ को देखकर मुस्कुरा रहा था। उसी समय उस भीड़ में से एक व्यक्ति राजा की तरफ बढ़ने लगा और धीरे-धीरे चलता हुआ राजा के पास पहुंच कर उसने राजा को छू लिया। राजा को हाथ लगाते ही राजा उसका हो गया और राजा की हर वस्तु भी उसकी हो गयी।

शिक्षा- जिस तरह राजा ने उन लोगों को मौका दिया और उन लोगों ने गलतियां की। ठीक इसी प्रकार प्रभु भी हम सबको प्रत्येक दिन अवसर देते हैं, लेकिन हम भी प्रत्येक दिन वही गलतियां करते हैं। हम प्रभु को पाने की बजाए उस परमपिता की बनाई हुई दुनियां की चीजों की कामना करते हैं। लेकिन कभी भी हम लोग इस बात पर गौर नहीं करते कि क्यों न दुनियां के बनाने वाले प्रभु को पा लिया जाए। अगर प्रभु हमारे होगए तो ही उसकी बनाई हुई प्रत्येक वस्तु पर भी हमारा ही अधिकार हो जाएगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

वृषभ अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा।

मिथुन पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। आय में निश्चितता रहेगी।

कुम्भ प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

एक टिप्पणी से शुरू हुआ मेरा बड़ा नाम बनाने का जुनून : तृप्ति

तृप्ति डिमरी को आज किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। वह बॉलीवुड की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। एक के बाद एक सफल फिल्में दे कर उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता और फैंस के बीच अपनी स्वीकृति को साबित किया है। इन दिनों अभिनेत्री अपनी फिल्मी सफर का आनंद ले रही हैं। लैला मजनू से करियर की शुरुआत करने के बाद फिल्म दर फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाली तृप्ति हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम बनने की ओर अग्रसर हैं। इस बीच अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया में अपने शुरुआती दिनों का जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे उन्होंने बॉलीवुड में बड़ा नाम बनाने का ठान लिया था। तृप्ति डिमरी ने बताया कैसे एक टिप्पणी ने उनके अंदर कुछ कर दिखाने का जूनन पैदा किया। अभिनेत्री ने कहा, किसी ने मुझे ताना मारा और कुछ बहुत ही घटिया बात कही और उस दिन मैंने सोचा कि मैं बिना कुछ किए शहर नहीं छोड़ सकती। अभिनेत्री ने आगे कहा कि जब कोई इंडस्ट्री में नया होता है, तो वह अक्सर सही और गलत के बीच अंतर नहीं कर पाता। इस टिप्पणी ने ही उनके अंदर एक जूनन पैदा किया, जिससे उन्होंने मुंबई में कुछ बड़ा कर दिखाने का प्रण ले लिया। इस बातचीत के दौरान 30 वर्षीय तृप्ति ने जोर देते हुए कहा कि जो चीज सही है और किसी के लिए काम करती है, जरूरी नहीं है कि वो दूसरे के लिए भी काम करे। अभिनेत्री ने अपने शुरुआती दिनों को लेकर कहा कि उन दिनों, बहुत भ्रम और अराजकता थी। अब भी बहुत अराजकता है, लेकिन वो तब के हालातों की बजाय मौजूदा हालातों को ज्यादा पसंद करती हैं। उन्होंने कहा, अब, मेरे पास सांस लेने, खाने या सोने का समय नहीं है। भूल भुलैया 3 अभिनेत्री ने आगे कहा कि हमेशा प्रकिया और यात्रा का आनंद लेना चाहिए। अपने फिल्मी सफर के दौरान हुई कठिनाईयों का उदाहरण देते हुए तृप्ति ने कहा कि ऐसे दिन हुआ करते थे, जब उनके पास कोई काम नहीं था। उन्होंने कहा कि हर ऑडिशन से उन्हें खारिज कर दिया जाता था, जिससे उन्हें खुद की प्रतिभा पर भी संदेह होने लगा था।

सिंघम करने के लिए खुद को लकी मानती हैं काजल अग्रवाल

बॉलीवुड | गपशप

सिंघम फिल्म को 18 अक्टूबर को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने प्रशंसकों से बात की थी। ये फिल्म साल 2011 में पहली बार रिलीज की गई थी। इस फिल्म में अजय देवगन को पहली बार बाजीराव सिंघम की भूमिका में देखा गया था, हिंदी सिनेमा में इस फिल्म के जरिए काजल ने भी डेब्यू किया था।

काजल ने कहा कि प्रशंसकों के साथ मुझे इसके जरिए दोबारा मिलने का मौका मिला है। सिंघम बहुत ही स्पेशल फिल्म है। यह बॉलीवुड में ट्रेंड सेट करने वाली खास फिल्मों में से एक है। फिल्म को बहुत सारे प्रशंसक मिले हैं। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। काजल ने कहा कि बहुत से प्रशंसक आज भी सिंघम फिल्म को टीवी या ओटीटी पर देखना पसंद करते हैं। काजल ने कहा, लोग आज भी इस फिल्म को देखते हैं। वहीं, कई ऐसे लोग हैं, जो मेरे पास आते हैं और मुझे बताते हैं कि ये टीवी पर कई बार दिखाई जा चुकी है। ये फिल्म एक्शन और ह्यूमर से भरी हुई है, जिसके लिए रोहित शेट्टी जाने जाते हैं। सिंघम में काम करने से पहले काजल को तमिल फिल्मों में देखा जाता था। काजल ने कहा, मैंने अपना करियर रीजनल सिनेमा से शुरू किया था। मैं लकी हूं कि मुझे कुछ बहुत ही अच्छी फिल्में करने का मौका मिला है। सिंघम फिल्म मुझे खास तौर पर बहुत पसंद है। मुझे मालूम है कि मैं बहुत बड़ी फिल्म का हिस्सा हूं, लेकिन बड़ा बनने के लिए मैंने ये फिल्म नहीं की थी।

रेमो डिसूजा पर लगा धोखाधड़ी का आरोप

कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा और उनकी पत्नी लिजेल को लेकर एक खबर आई थी। उसमें दावा किया जा रहा था कि कोरियोग्राफर और उनकी पत्नी समेत पांच और लोगों ने एक डांस ग्रुप के साथ चीटिंग की है। इन सबके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मुंबई की ठाणे पुलिस ने बताया कि शनिवार को ये शिकायत दर्ज करवाई गई थी। सभी पर 11.96 करो? रुपये की धोखाध?ी करने का आरोप लगाया गया था। पर रेमो ने एक पोस्ट के जरिए इन खबरों को सिरे से खारिज किया है। कहा है कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं। सभी अफवाहें हैं।

कोरियोग्राफर ने पोस्ट में लिखा- कुछ मीडिया रिपोर्ट्स से हम लोगों को इसके बारे में जानकारी लगी कि हम लोगों के खिलाफ कोई कम्प्लेंट दर्ज हुई है। कहा जा रहा है कि हम लोगों ने एक डांस ग्रुप के साथ धोखाधड़ी की है। मुझे ये कहते हुए अफसोस हो रहा है कि इस तरह की खबरें हम लोगों के बारे में पब्लिश हो रही हैं। हम सभी से ये गुजारिश करना चाहते हैं कि इसमें कोई सच्चाई नहीं। सभी खबरें झूठी हैं और लोग हमें लेकर अफवाहें फैला रहे हैं। हम अपना केस समय पर छोड़ रहे हैं। जो भी मदद लगेगी, हम लोग अथॉरिटी को करेंगे। उनकी मदद करेंगे जैसे की अबतक करते आए हैं। मैं अपने परिवार, दोस्तों और फैन्स के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करता हूं। वो लोग जिस तरह से हम पर प्यार लुटाते हैं, हमारे लिए वो बहुत मायने रखता है। हमेशा प्यार, लिजेल और रेमो।

एक अधिकारी ने बताया कि एक 26 साल के डांसर ने रेमो डिसूजा, उनकी पत्नी लिजेल और पांच अन्य लोगों पर ये आरोप लगाया है। डांसर ने 16 अक्टूबर को मुंबई के मीरा रोड पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने रेमो डिसूजा और अन्य 6 लोगों के खिलाफ धारा 465 (जालसाजी), 420 (धोखाधड़ी) और भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराओं तले इस मामले को दर्ज कर लिया है। शिकायत के मुताबिक, डांसर और उसके ग्रुप के साथ साल 2018 से जुलाई 2024 तक के बीच धोखाधड़ी की गई है। इस ग्रुप ने टीवी के एक शो में परफॉर्म कर जीत हासिल की थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि रेमो और अन्य आरोपियों ने ऐसे दिखाए जैसे वो ग्रुप उनका है और उनकी जीती 11 बॉलीवुड के जाने-माने कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा और उनकी पत्नी लिजेल को लेकर एक खबर आई थी। उसमें दावा किया जा रहा था कि कोरियोग्रॉफर और उनकी पत्नी समेत पांच और लोगों ने एक डांस ग्रुप के साथ चीटिंग की है। इन सबके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अजब-गजब | यूपी के बीसलपुर में होती है अजीबो-गरीब रामलीला

यहां दशहरे के दिन हो जाती है रावण बनने वाले की मौत

देश में इस समय कई जगहों पर रामलीला का मंचन किया जा रहा है। दशहरे वाले दिन रामलीला में रावण वध का मंचन किया जाता है। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि एक रामलीला ऐसी भी है, जिसमें दशहरे वाले दिन रावण नहीं मरता। इस रामलीला को सच्ची रामलीला के नाम से भी जाना जाता है। अगर दशहरे के अगले दिन शनिवार पड़ता है तो उस दिन भी रावण वध नहीं होता है। ऐसे में रावण का वध एक और दिन के लिए टाल दिया जाता है। इसके पीछे एक वजह भी है। यह अनोखी रामलीला बीसलपुर में होती है। उत्तर प्रदेश के बीसलपुर की सच्ची रामलीला में दशहरे के दिन रावण वध इसलिए नहीं होता क्योंकि यहां रामलीला के कार्यक्रम के दौरान रावण का किरदार निभाने वाले गंगा विष्णु उर्फ कल्लू मल, अक्षय कुमार और गणेश कुमार की मृत्यु राम और रावण के युद्ध के दौरान हुई थी। इसके बाद से यहां रावण का वध विजय दशमी के दिन नहीं किया जाता। इस रामलीला की एक और खास बात यह है कि यहां रामलीला मंच पर नहीं, खुले ग्राउंड पर होती है।

साल 1941 में बीसलपुर के रहने वाले गंगा उर्फ कल्लू मल ने पहली बार रामलीला में रावण की भूमिका निभाई थी। रामलीला के मंचन के समय रावण वध के दौरान राम का तीर लगने से कल्लूमल की मौत हो गई थी। इस रामलीला के दौरान इत्तेफाक से ऐसा तीन बार हो चुका है। तीनों बार राम-रावण युद्ध के दौरान रावण का किरदार निभा रहे लोगों की मौत हो गई थी। कल्लूमल की मौत के बाद से रामलीला ग्राउंड में ही दशानन की एक बड़ी मूर्ति लगा दी गई है। इस पर लिखा गया है कि राम के तीर से कल्लूमल बने रावण को मोक्ष प्राप्त हुआ है। कल्लूमल की मृत्यु के बाद इसी ग्राउंड पर उसका अंतिम संस्कार किया गया था। उसके अंतिम संस्कार में लोगों की भारी भीड़ थी। उनकी चिता जलाने के बाद कल्लूमल की अस्थियां और राख लोग उठाकर भाग गए थे। परिवार के लोगों को कल्लूमल की अस्थियां, राख तक नहीं मिल पाई थी।

कल्लूमल की मृत्यु के 46 साल बाद 1987 में दशहरे के दिन रावण वध लीला का मंचन हो रहा था। मैदान दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। डीएम और एसपी भी वहां मौजूद थे। लीला मंचन के दौरान रावण वध के लिए भगवान राम का किरदार निभा रहे पात्र ने रावण का किरदार निभा रहे विष्णु पर बाण चलाया। बाण लगते ही गंगा विष्णु जमीन पर गिर पड़े। काफी देर तक लोग यही समझते रहे कि विष्णु अभिनय कर रहा है। जब काफी देर तक वह नहीं उठा तो उसे डॉक्टर को दिखाया गया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। तब से ही यह रामलीला सच्ची लीला के नाम से मशहूर हो गई। अब यहां के लोग रावण की पूजा करते हैं। यहां जो भी काम होता, वह लंकेश के नाम से ही होता है। रावण के परिवार के लोग उन्हीं के नाम से अपने सारे संस्थान चलाते हैं। रावण के नाम से यहां एक मंदिर भी है। उनके परिवार के लोग आज भी जय राम नहीं, जय रावण बोलते हैं। यह रामलीला काफी प्रसिद्ध है और दूर-दूर से लोग यहां रामलीला देखने आते हैं। हर बार जब रावण वध का मंचन होता है, तो सभी की सांसे रुक जाती हैं। नाटक के दौरान रावण के जब तीर लगता है, तो वह गिर जाता है उसके बाद जब तक उठ नहीं जाता है, तब तक लोगों की आंखें रावण पात्र की लगी रहती हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी डकैती, ट्रकों में भर-भर के रुपये ले गए थे डकैत, एक पर्ची के जरिए डाली डकैती

पूरी दुनिया में आए दिन लूटपाट की घटनाएं होती रहती हैं। जिनमें लुटेरे कीमती सामान और रुपये लूटकर फरार हो जाते हैं। ये लूट कई लाख या फिर कई करोड़ रुपये की हो सकती है। इसके अलावा कई बार लुटेरे करोड़ों रुपये का सोना-चांदी और बेशकीमती हीरे तक चुराकर ले जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसी लूट के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया का सबसे बड़ी लूट कहा जाता है। जिसमें लुटेरों को लूट के रुपये ट्रकों में भर-भरकर ले जाने पड़े थे। ये डकैती एक बैंक में हुई थी। यही नहीं वो बैंक डकैती के इतिहास में दुनिया की सबसे बड़ा मामला है, क्योंकि इसमें आमतौर पर उस देश के राष्ट्रपति का बेटा भी शामिल था। ये बात एकदम सच है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं इराक की एक लूट के बारे में। जिस बैंक डकैती में लुटेरे कुल एक बिलियन डॉलर यानी आज के हिसाब से करीब 8000 करोड़ रुपये लूट कर ले गए थे। ये लूट इराक की सेंट्रल बैंक से हुई थी। इस घटना को अब 19 साल बीत चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, यह घटना साल 2003 के मार्च महीने की है। तब इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन हुआ करते थे, सद्दाम हुसैन और अमेरिका के बीच गहरी दुश्मनी थी। कहते हैं कि अमेरिका ने इराक पर हमले की पूरी तैयारी कर ली थी। उससे कुछ घंटे पहले सद्दाम हुसैन के बेटे कुसय बगदाद स्थित इराकी सेंट्रल बैंक पहुंचे और बैंक प्रमुख को एक पर्ची थमाई, जिसपर लिखा था कि सुरक्षा कारणों से बैंक के सभी पैसों को राष्ट्रपति ने दूसरी सुरक्षित जगह ले जाने का आदेश दिया है। बता दें कि उस समय इराक में सद्दाम हुसैन का बहुत खौफ था, लोग उनके नाम से ही कांपने लगते थे क्योंकि उन्हें एक तानाशाह माना जाता था, इसलिए बैंक प्रमुख कुछ नहीं बोले और पैसों को ले जाने की अनुमति दे दी। इसके अलावा उनके पास और कोई रास्ता भी नहीं था। कहा जाता है कि सद्दाम हुसैन के बेटे कुसय ने इराकी बैंक से इतने रुपए लूटे थे कि उन्हें ट्रकों में भर-भरकर ले जाना पड़ा था। बता दें कि लूट की रकम को ट्रकों में भरने में करीब पांच घंटे लग गए थे। कहा ये भी जाता है कि बैंक में और भी पैसे थे, परन्तु उन्हें रखने के लिए ट्रक में जगह नहीं रही इसलिए उन्हें वहीं पर छोड़ दिया गया। इस बैंक डकैती की बात दुनिया को तब खबर लगी जब घटना के तुरंत बाद अमेरिकी सेना ने इराक पर बमबारी शुरू कर दी। इस दौरान इराकी सेंट्रल बैंक पर अमेरिकी सेना ने कब्जा कर लिया। लेकिन उन्हें वहां पता चला कि सारे पैसे तो सद्दाम हुसैन का बेटा कुसाय ले गए। इसके बाद काफी छानबीन हुई। सद्दाम हुसैन के महल में भी जांच की गई, जहां से बड़ी मात्रा में नोट मिले। हालांकि वो नोट लूट की रकम का भाग नहीं थे। उन पैसों को सद्दाम हुसैन के दूसरे बेटे उदय ने पहले से ही संभाल कर रखा था।

महिलाओं को मिले समान अधिकार : राहुल

हमारा संविधान बिना भेदभाव के समानता और न्याय की नींव रखता है

» नेता प्रतिपक्ष ने शक्ति अभियान को लेकर जारी किया वीडियो संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को वीडियो जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि वह ऐसे भारत के सपने में विश्वास करते हैं जहां महिलाओं को समान अधिकार, संसाधनों तक पहुंच और शिक्षा तथा रोजगार के अवसर मिलें। बता दें कि राहुल गांधी ने देश में महिला सशक्तीकरण के लिए इंदिरा फेलोशिप द्वारा शुरू किए गए आंदोलन शक्ति अभियान का हिस्सा बनने वाली महिलाओं के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो साझा किया।

राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में कहा कि 18 अक्टूबर, 2024 को मुझे शक्ति अभियान की उल्लेखनीय महिलाओं से मिलने और उनसे बातचीत करने का सौभाग्य मिला। इंदिरा फेलो द्वारा समर्थित ये जमीनी नेता महिला-केंद्रित राजनीतिक आंदोलन बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साथ मिलकर वे मजबूत, सशक्त महिलाओं का एक नेटवर्क तैयार कर रहे हैं जो हमारे देश के भविष्य को आकार देने में नेतृत्व करने और अपना उचित स्थान मांगने के लिए तैयार हैं।

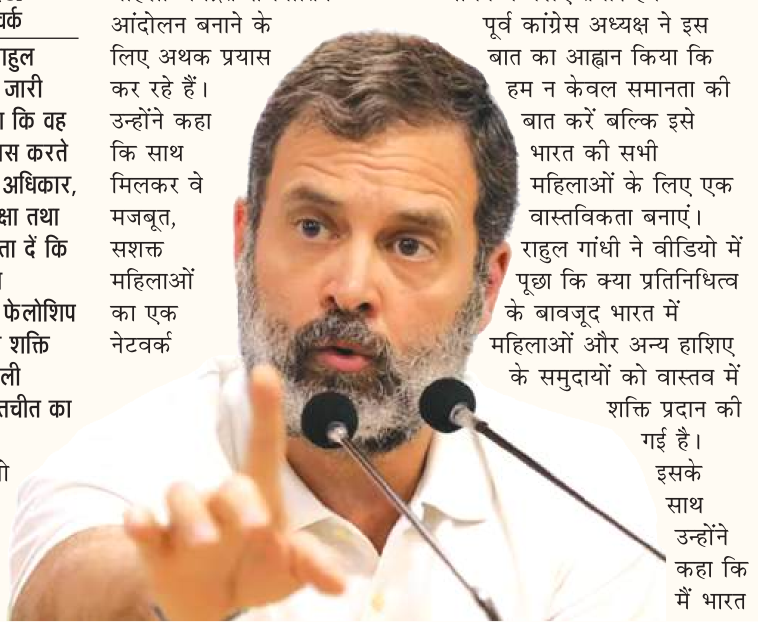

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात का आह्वान किया कि हम न केवल समानता की बात करें बल्कि इसे भारत की सभी महिलाओं के लिए एक वास्तविकता बनाएं। राहुल गांधी ने वीडियो में पूछा कि क्या प्रतिनिधित्व के बावजूद भारत में महिलाओं और अन्य हाशिए के समुदायों को वास्तव में शक्ति प्रदान की गई है। इसके साथ उन्होंने कहा कि मैं भारत के लिए एक ऐसे दृष्टिकोण में विश्वास करता हूं जहां महिलाओं को समान अधिकार, संसाधनों तक पहुंच और शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलें। हमारा संविधान सभी प्रकार के भेदभाव को खारिज करते हुए समानता और न्याय की नींव रखता है।

महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए

राहुल गांधी ने शक्ति अभियान के साथ हाथ मिलाने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि हम न केवल समानता की बात करें बल्कि इसे भारत की सभी महिलाओं के लिए एक वास्तविकता बनाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तविक सशक्तिकरण का समय अब है। इसके साथ ही वीडियो में कांग्रेस नेता ने शक्ति अभियान की महिलाओं के साथ बातचीत करते और सशक्तिकरण के बारे में उनके विचार पूछते हुए दिखाई दे रहे हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल सांकेतिक पद स्वीकार नहीं करना चाहिए बल्कि अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए।

हमें 16 बच्चे पैदा करने की जरूरत : स्टालिन

» मुख्यमंत्री ने चंद्रबाबू नायडू की जन्मदर बढ़ाने की सलाह पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में विकास दर की वृद्धि के लिए प्रत्येक परिवार को दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दी। उनके बयान के तुरंत बाद तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने प्रतिक्रिया दी। स्टालिन ने जो कहा वह चंद्रबाबु नायडू के बयान से भी एक कदम आगे था। उन्होंने सभी को 16 बच्चे पैदा करने का लक्ष्य रखने को कहा। तमिलनाडु हिंदू रिलिजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स विभाग द्वारा 31 जोड़ों के लिए आयोजित विवाह समारोह में सीएम स्टालिन ने यह बयान दिया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने समारोह के दौरान कहा, तमिल में एक पुरानी कहावत है, पधिनारुम पेत्रु पेरु वज्वि वज्गा, जो दंपतियों को संतान समेत 16 संपत्तियों की कामना करता है। लेकिन अब ऐसे हालात बन रहे हैं कि लोकसभा क्षेत्र घटते जा रहे हैं।

इससे यह सवाल उठता है कि हमें खुद को कम बच्चे पैदा करने तक ही सीमित क्यों रखना चाहिए। हम 16 बच्चे पैदा करने का लक्ष्य क्यों नहीं रखते हैं? नायडू ने भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत पर दिया। उन्होंने कहा, मैंने जनसंख्या नियंत्रण की वकालत की, लेकिन अब हमें भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत है। राज्य सरकार एक कानून लाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो या उससे अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। बता दें कि देश में औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा गिरकर 1.6 तक पहुंच गया है।

राज्य सरकार गिराने के लिए एकत्र किए जा रहे 1000 करोड़ : प्रियांक

» मंत्री ने एचडी कुमारस्वामी पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने सोमवार को जद (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कुमारस्वामी और भाजपा दोनों एक-एक हजार करोड़ रुपये एकत्र कर रहे हैं, ताकि राज्य सरकार को गिराया जा सके। खरगे ने कहा, यतनाल का बयान सही साबित हुआ है कि राज्य सरकार को गिराने के लिए 1000 करोड़ रुपये एकत्र किए जा रहे हैं।

वहीं केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे की ओर से बिरथी सुरेश पर लगाए गए आरोपों पर भी प्रियांक खरगे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, शोभा करंदलाजे को थोड़ा और जिम्मेदार होना चाहिए। वह एक केंद्रीय मंत्री हैं। वह बिरथी सुरेश पर सबूत मिटाने का आरोप लगा रही हैं। यह गंभीर आरोप हैं। उनके पास क्या सबूत हैं? क्या वह वहीं महिला नहीं है, जिन्होंने परेश मेस्ता के बारे में बात की थी? सीबीआई की फोरेंसिक रिपोर्ट का विरोध किसने किया? उस समय वह झूठ बोलने वाली साबित हुई थीं। अब भी वह ऐसा ही कर रही हैं।

धर्मान्तरण गैंग संचालक पुलिस की गिरफ्त में

» चौदह प्रतियां पवित्र शास्त्र पुस्तक, दो पम्पलेट और आठ बारकोड स्टीकर आरोपियों से बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर/अखंडनगर। बीते रविवार को धर्मान्तरण गैंग संचालन की सूचना अखंडनगर थाना क्षेत्र के नरवारी एवं हाजीपुर गांव में प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस के साथ-साथ विधायक राजेश गौतम भी मौके पर पहुंचे थे।

इस मामले में अखंडनगर थाना प्रभारी श्याम सुन्दर की टीम ने कार्यवाही करते हुए चार आरोपियों राम उजागिर पुत्र भूतीराम निवासी ग्राम खेमीपुर थाना पवई जनपद आजमगढ़, राजेन्द्र प्रसाद पुत्र राम कलप निवासी ग्राम नरवारी थाना अखण्डनगर जनपद सुलतानपुर, संजीव कुमार पुत्र सुख सागर निवासी ग्राम भस्मा थाना मालीपुर जनपद अम्बेडकरनगर, निर्मल पुत्र रामफेर निवासी ग्राम हाजीपुर थाना अखण्डनगर जनपद सुलतानपुर को गिरफ्तार किया और उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा भी पंजीकृत किया गया। आरोपियों के पास से पुलिस ने चौदह प्रतियां पवित्र शास्त्र पुस्तक, दो पम्पलेट और आठ बारकोड स्टीकर बरामद किया जो ईसाई धर्म से सम्बन्धित है। बताते चलें कि राममूर्ति विश्वकर्मा पुत्र रामकेवल विश्वकर्मा निवासी ग्राम पौधनरामपुर थाना अखण्डनगर जनपद सुलतानपुर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया था कि कुछ व्यक्तियों द्वारा गरीब,असहाय व बीमार व्यक्तियों को तरह-तरह का प्रलोभन देकर सनातन धर्म से इसाई धर्म में धर्म परिवर्तन करने को बाध्य किया जा रहा है और मना करने पर जान से मारने की धमकी की धमकी भी दी जा रही है। जिस पर पुलिस ने ये कार्यवाही की है।

भारतीय ए टीम में ईशान किशन की हुई वापसी

» ऋतुराज को मिली ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए घोषित टीम की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय ए टीम घोषित कर दी है। इस 15 सदस्यीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को भी शामिल किया गया है जिनकी लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। भारत इस दौरे पर ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई में जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीमों के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है और इससे पहले दोनों टीमों की ए टीमें दो मैच खेलेंगी।

बीसीसीआई ने बयान में कहा, पुरुष चयन समिति ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। इंडिया ए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैकॉय और मेलबर्न में दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेगी और फिर पर्थ में भारत की सीनियर टीम के खिलाफ इंट्रा स्क्वायड मुकाबला खेलेगी। रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में झारखंड की अगुआई करने वाले ईशान ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में अपना दम दिखाया था। ईशान ने दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और वह ईरानी कप में मुंबई के खिलाफ शेष भारत टीम का भी हिस्सा थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच पहला टेस्ट 31 अक्तूबर से तीन नवंबर तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट सात से 10 नवंबर तक होगा। इसके बाद पर्थ में 15 से 17 नवंबर के बीच इंट्रा स्क्वायड मुकाबला खेला जाएगा।

शमी का रोहित को जवाब, बोले- ऑस्ट्रेलिया सीरीज में अभी समय

बंगलुरू। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दावा किया है कि वह पूरी तरह फिट हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से वापसी की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा मुझे पता है कि ऑस्ट्रेलिया में किस तरह के आक्रमण की जरूरत होती है। शमी ने पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल मैच के बाद से अब तक कोई मुकाबला नहीं खेला है। उन्होंने कहा कि वह रणजी ट्रॉफी के कुछ मैच भी खेलना चाहते हैं। शमी का लक्ष्य भले ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी का है, लेकिन कप्तान रोहित ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि शमी इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया आएं। रोहित ने कहा था, ईमानदारी से कहूं तो ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए शमी को चुनना मुश्किल है। उन्हें एक और चोट लगी थी और उनके घुटनों में सूजन आ गई थी। इससे उनकी स्थिति थोड़ी खराब हो गई और उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ेगी।

कानपुर कमिश्नरेट की लुटेरी और वसूलीबाज पुलिस के बड़े कांड

लुटेरों से बरामद किए 20 लाख के जेवरात को गलाकर बेच डाला

दूसरे थाने में पकड़ा गया चोर तो हुआ बड़ा खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर की पुलिस ने एक बार फिर बड़ा कांड कर दिया जिसके बाद पूरी खाकी सवालों के घेरे में खड़ी हो गई। पुलिस के इस कारनामें ने अपराधियों को भी पीछे छोड़ते चोर से बरामद लूट के सोने को खुद ही गलाकर अपने पास रख लिया। कानपुर में फतेहपुर के जहानाबाद स्थित चिल्ली गांव के परिषदीय स्कूल में शिक्षिका शालिनी दुबे तैनात हैं, वहीं इनके पति प्रदीप कुमार बीएसएफ में तैनात हैं। 31 सितंबर को इनके बर्रा स्थित घर से 20 लाख के जेवरात के साथ लगभग 25 लाख रुपये की चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के दौरान वह घाटमपुर में एक पार्टी में गई थीं। उसी दौरान चोरों ने इस बड़ी घटना को अंजाम दे दिया।

घटना के बाद कानपुर रेलबाजार की पुलिस ने कुछ दिन बाद ही आरोपी चोर को गहने के साथ गिरफ्तार कर लिया। लेकिन उस समय पुलिस की नियत गहने को देखकर बदल गई और उसने चोरों को डरा-धमका कर छोड़ दिया और बरामद जेवरात को खुद गलाकर अपने पास रख लिया। घटना के कुछ दिन बाद उन्हीं चोरों को कानपुर की ही बर्रा पुलिस ने एक चोरी के आरोप में पकड़ लिया।

आलाधिकारियों ने थानेदार को छुट्टी पर भेज दिया था

घटना की जानकारी होने के तुरंत बाद डीसीपी पूर्वी ने थानेदार के कारखास आमिल हफीज को लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मामले की जांच एसीपी कैंट को सौंपी गई है। साथ ही जांच प्रभावित न हो इसलिए थानेदार विजय दर्शन शर्मा को तत्काल छुट्टी पर भेज दिया गया है।

जहां उसने एक अन्य चोरी के साथ इस घटना के कारनामें का भी खुलासा कर दिया। चोर के इस खुलासे के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

वर्षों की यादों को थानेदार ने गलवा डाला: शिक्षिका

शिक्षिका को जब थानाध्यक्ष की करतूतों का पता चला तो उनके पैरों के तले से जमीन खिसक गई। दरअसल जो जेवरों को पुलिस ने गलवा डाला वो सारे जेवर उनकी शादी की यादों से घिरे थे। शिक्षिका ने बताया कि जेवरों से उनकी शादी की यादें जुड़ी थीं। 25 साल पहले सास ने मुंह दिखाई में कुंडल दिए थे। साथ ही उनके पति को तिलक, वरीक्षा और कलेवा में मिली चेन और अंगूठी भी थी। साथ ही बच्चों की चांदी की दो करधनी भी उनके लिए यादगार थी। इन सबको थानेदार विनय ने गलवा डाला।

घटना का खुलासा होने पर 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

चोर से चोरी का माल हड़पकर गलाने के आरोप में जेसीपी ने सोमवार को कड़ी कार्रवाई की। जेसीपी हरीश चंदर ने बताया कि बर्रा पुलिस की जांच पड़ताल के बाद पता चला कि रेलबाजार पुलिस ने सोना गलवा कर बेच दिया। जांच में पुष्टि होने के बाद रेलबाजार थानेदार विजय दर्शन शर्मा, उपनिरीक्षक प्रशिक्षण नवीन श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल सुभाष तिवारी और हेड कांस्टेबल आमिल हाफिज को सस्पेंड कर दिया गया है।

घाटमपुर: छोटे मोमबत्ती व्यापारी से वसूल लिए 50 हजार रुपये

» ऑनलाइन पेमेंट होने से हो गया खुलासा

» खुलासे के बाद चौकी इंचार्ज और दारोगा सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट की पुलिस इन दिनों खूब चर्चा में है वो अपनी कार गुजारियों से पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बने रहते हैं। ताजा मामला घाटमपुर थाना क्षेत्र का है जहां चौकी इंचार्ज और दारोगा ने मोमबत्ती व्यापारी से 50 हजार रुपए की वसूली की. व्यापारी ने इसकी शिकायत पुलिस अधिकारियों से की, जिसके बाद चौकी इंचार्ज और दारोगा को सस्पेंड कर दिया गया। कानपुर के घाटमपुर कोतवाली के बसंत विहार में मंडी समिति के पास निवासी उदय प्रकाश साहू मोमबत्ती व्यापारी हैं वह घर पर ही मोमबत्ती बनाकर बेचने का काम करते आ रहे हैं। व्यापारी ने अलाधिकारियों को बताया कि दो लोग सादी वर्दी में घर आए और घर की जांच करने के बहाने पूरे घर का वीडियो बनाया, कुछ फोटोज भी लीं। जिस समय ये पुलिसकर्मी घर का वीडियो बना रहे थे उस समय घर पर वह नहीं थे। व्यापारी किसी काम से बाहर गए हुए थे तभी पुलिसवालों का फोन आता है और उन्हें चौकी आने को कहा जाता है।

व्यापारी जब चौकी पहुंचा तो पुलिसकर्मियों ने उनसे उनका मोबाइल छीन लिया और उनके साथ जमकर मारपीट की। फिर धमकाते हुए घर सीज करने और माल जब्त करने की धमकी देने लगे। साथ ही उनसे 50 हजार रुपये की मांग भी करने लगे। पुलिस आरोपी को घर ले जाकर 30 हजार रुपये ले लिए और 20 हजार एक खाते में ऑनलाइन डलवा लिए और फिर पुलिस ने उन्हें जाने दिया। व्यापारी ने इस घटना की जानकारी व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष महेश शर्मा को दी, जिलाध्यक्ष ने मामले की जानकारी अधिकारियों की दी और फिर आरोपों की गंभीरता को देखते हुए आलाधिकारी ने घटना की जांच के आदेश एसीपी घाटमपुर रंजीत कुमार को सौंपी। एसीपी की जांच में यह बात साफ भी हो गई की घाटमपुर कस्बा चौकी इंचार्ज आशीष और उनके सहयोगी अनुज नागर ने व्यापारी उदय शाहू से जबरन वसूली की थी। खुलासा होने के बाद दोनों को विभाग ने सस्पेंड कर दिया। एडिशनल सीपी हरीश चंदर ने बताया कि दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विभागीय जांच भी बैठा दी गई है। साथ ही दोनों को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में सभासद भी गिरफ्तार किया गया है।

यूपी में अब एनकाउंटर साइट की वीडियोग्राफी और हथियारों की होगी जांच

डीजीपी प्रशांत कुमार ने जारी की नई गाइडलाइन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पुलिस के एनकाउंटर पर अकसर सवाल खड़े होते हैं। कई एनकाउंटर मामले में जमकर सियासत हुई और कई मामलों में अपराधियों की मौत के कारण जमकर आलोचना भी हुई। इस बीच इन मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने नई गाइडलाइंस जारी की हैं। ये गाइडलाइंस राज्य के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की ओर से जारी की गई हैं।

एनकाउंटर के दौरान अगर कोई आरोपी चोटिल होता है या फिर उसकी जान चली जाती है तो शूटआउट साइट की वीडियोग्राफी करानी होगी. इसके साथ-साथ जिस जगह पर

शूटआउट हुआ, वहां फॉरेंसिक टीम भी निरीक्षण करेगी. साथ ही एनकाउंटर में अपराधी की मौत हो जाती है तो दो डॉक्टरों का पैनल पोस्टमार्टम करेगा और उसकी भी वीडियोग्राफी अनिवार्य की गई है।

नई गाइड लाइन के मुताबिक अब ये होगा

डीजीपी की तरफ से जारी गाइडलाइंस में कहा गया है कि जिस जगह एनकाउंटर हुआ है उस इलाके की पुलिस जांच नहीं करेगी. दूसरे थाने की पुलिस या फिर क्राइम ब्रांच से उसकी जांच कराई जाएगी. ष्ठल्वककी तरफ से जारी गाइडलाइंस 5 सितंबर को हुई गोलीबारी को लेकर उठ रहे सवालों के बीच आए हैं, जिसमें जौनपुर निवासी मंगेश यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. मंगेश यादव को सुल्तानपुर में एक आभूषण की दुकान में डकैती में शामिल माना जाता है. ष्ठल्वककी तरफ से जारी गाइडलाइंस में यह भी निर्देश दिए गए हैं कि एनकाउंटर में मारे गए बदमाश के परिजनों को तुरंत इसकी सूचना दी जाए. साथ ही एनकाउंटर में इस्तेमाल किए गए हथियारों को तुरंत सरेंडर करना होगा, जिनकी जांच की जाएगी.

फोटो :4 पीएम

बयान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव में भाजपा को जिताने के लिए अधिकारी भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंबेडकरनगर के जिलाधिकारी भाजपा के जिला अध्यक्ष की तरह काम कर रहे हैं। जो अधिकारी गड़बड़ करेंगे हम उनकी शिकायत चुनाव आयोग में करेंगे और जगह-जगह उनके पोस्टर लगा देंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार को प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उप्र भाजपा के सभी बड़े नेता दिल्ली तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी की लिस्ट का इंतजार सभी को है। इस बीच बड़ी खबर आ रही है। दावा है कि भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दल नाराज हैं और अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल निषाद पार्टी के नेता और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद नाराज अपनी बात पर डटे हुए हैं। उनका कहना है कि पार्टी को 2 सीटें मिलनी चाहिए। इस बीच बीजेपी के कई बड़े नेता दिल्ली तलब किए गए हैं। एक ओर यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरीऔर संगठन महामंत्री धरमपाल दिल्ली में मौजूद हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक दिल्ली रवाना हो गये। भाजपा हाईकमान से मिलकर यूपी के फंसे पेच को निकालने की क़वायद होगी।

पुलिस की छापेमारी में बड़ा खुलासा: रईसजादों की अय्याशियों के लिए बीजेपी नेता ने खोला कसीनो

» शराब के जाम के बीच डांस करती मिलीं दिल्ली-मुंबई की लड़कियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। जिले से एक सनसनीखेज खबर सामने आई जहां गढ़ रोड स्थित होटल हारमनी इन में एक गुप्त कसीनो चल रहा था। यहां बड़े पैमाने पर करोड़ों रुपये के जुए की बाजी लगाई जा रही थी। यहां से करीब डेढ़ करोड़ के कसीनो कॉइन बरामद किए गए हैं। वहीं दिल्ली और मुंबई समेत शहर के करीब 21 से ज्यादा रईसजादे जुआ खेलते हुए पकड़े गए, जिनमें से आठ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी के स्पेशल टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया, होटल हार्मोनी के मालिक सत्ताधारी दल से जुड़े हैं इसलिए इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में हड़कंप पर मचा हुआ है।

मेरठ के होटल हार्मोनी में अवैध रूप से कसीनो का संचालन किया जा रहा था, शहर के रईसजादे मोटी एंट्री फीस देकर जुआ खेल रहे थे। यहां रईसजादों को लुभाने के लिए दिल्ली मुंबई से ल ?कियां मंगाई गई थीं जो युवाओं

को जुआ खिला रही थीं। सोमवार रात करीब 1:00 बजे पुलिस ने अचानक छापेमारी की कार्रवाई की तो होटल में हड़कंप मच गया।

एसएसपी आयुष विक्रम सिंह की स्पेशल टीम ने छापेमारी के दौरान अर्धनग्न हालत में युवतियां शराब परोसते और जुआ खिलाते मिलीं। होटल हारमनी के अंदर बेहद लग्जरियस ढंग से शराब और शबाब परोसा जा रहा था। अवैध रूप से कसीनो को चलाया जा रहा था और लोगों को अय्याशियां कराई जा रही थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।